13.48 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) Boycott of examinations by College and school teachers of Uttar Pradesh.

श्री चन्द्रपाल शैलानी (हाथरस) : उपाध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश में विश्व-विद्यालयों, कालेजों तथा स्कूलों के शिक्षकों द्वारा फिर से आंदोलन शुरू करने तथा परीक्षाओं के बहिष्कार का फैसला करने से बड़ी गम्भीर समस्या पैदा हो गई है । विश्वविद्यालय एवं कालेज शिक्षकों के संघ के प्रतिनिधियों का कहना है कि राज्य सरकार ने उन्हें जो आश्वा-सन दिये थे, उनसे वह पीछे हट रही है, इसलिए अब वे फिर से रैली और प्रदर्शनों का दौर चलायेंगे । इससे पहले दो मुद्दों को लेकर बहुत दिनों तक शिक्षकों के आंदोलन चलते रहे जो पिछले महीने ही वापिस लिये गये हैं । एक आंदोलन तो शिक्षकों के वेतन-वृद्धि मकान भत्ता, पदोन्नति, अन्तरिम राहत और लोक सेवा आयोग में प्रतिनिधित्व की मांग को लेकर था तो दूसरा शिक्षा के राष्ट्रीयकरण की मांग को लेकर । आन्दोलनों के कारण शिक्षा संस्थाओं में कितनी पढ़ाई हुई होगी, इसका अन्दाजा सहज में ही लगाया जा सकता है ।

उत्तर प्रदेश की शिक्षा संस्थाओं में इस समय जो आपाधापी मची हुई है और शिक्षकों शिक्षार्थियो तथा प्रबन्धकों के बीच सम्बन्धों में जो रस्साकशी चल रही है, उससे वहां अनुशासनहीनता, अनिश्चय और अशांत वातावरण बना हुआ है जिसके कारण लाखों विद्यार्थियों का भविष्य खतरे में पड़ गया है । बनारस विश्वविद्यालय में तो 1983 की परीक्षाएं अभी होना बाकी हैं, दो-दो सत्र एक साथ चल रहे हैं ।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि वह शिक्षा और शिक्षा-संस्थाओं की वर्तमान स्थिति पर तत्काल ध्यान देकर उसे सुधारने के लिए प्राथमिकता दे और उत्तर प्रदेश सरकार को जहां कुछ ही दिनों में परीक्षाएं प्रारम्भ होने वाली हैं, संभावित गड़बड़ी से निपटने के लिये निर्देश दे ताकि लाखों विद्यार्थियों का भविष्य बिगड़ने से बच सके ।

(ii) Need for amending the Drugs Act in order to ban drugs containing alcohol.

श्री हरीश रावत (अल्मोड़ा) : उत्तर प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में अत्यधिक अलकोहल मात्रा वाली सुरा एवं बायोटिक्स खुलेआम बिना किसी नियंत्रण के बेचे जा रहे हैं । सस्ती कीमत पर प्राप्त मादक पेयों का प्रयोग इतनी आम बात होती जा रही है कि स्थानीय समाज अपना सामाजिकता को खोता जा रहा है । स्वास्थ्य के लिये हानिकारक इन द्रव्यों के उपयोग से इन क्षेत्रों में मृत्यु दर में अचानक वृद्धि हो गई है । क्षेत्रों के क्षेत्र क्षय रोग से ग्रसित होते जा रहे हैं । इन सीमांत पर्वतीय क्षेत्रों ने देश को हमेशा बहादुर सैनिक प्रदान किये हैं, वहां इस प्रकार की स्थिति चिन्ताजनक है ।

डाबर उत्तर प्रदेश सरकार के सहकारिता विभाग द्वारा नियंत्रित को-आपरेटिव ड्रग फैक्ट्री, मृत संजीवनी सुरा, सम्राट सुरा, अशोक लिक्विड बिभिन्न नाम व बांडों से यहां कई प्रकार के मादक द्रव्य उत्तर प्रदेश शासन के स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रदत्त दवा बेचे जाने के लाइसेंस के तहत बेचे जा रहे हैं । दवाओं के वर्गीकरण में यह पदार्थ भी दवाओं में गिने जाते हैं । मगर इनमें लगभग 100 प्रतिशत तक अलकोहल होता है । सन् 1977 में पूर्ण मद्य-निषेध के बाद से फैली यह व्याधि स्वास्थ्य व सामाजिक व्यवस्था में इतनी तेजी से गिरावट ला रही है कि यदि इसे रोका नहीं गया तो यहां का